B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-VI

(Poetics and Literary Criticism)

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांचिद् दशानां प्रश्नानामुत्तरं *सरलसंस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या* च प्रदेयम्। प्रतिविभागमन्ततः प्रश्नत्रयम् समाधेयम्। 2×10=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে *যে কোনো দশটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রতি বিভাগ থেকে অন্ততঃপক্ষে *তিনটি* করে প্রশ্নের উত্তর করতে হবে।

'क'-विभागः

বিভাগ-'ক'

(a) काव्यालंकारसूत्रवृत्तिग्रन्थः केन विरचितः? तस्मिन् ग्रन्थे कति अधिकरणानि सन्ति?
কাব্যালংকারসূত্রবৃত্তি গ্রন্থটি কার রচনা? এই গ্রন্থে কয়টি অধিকরণ আছে?

(b) वामनमते कवयः कतिविधाः? के च ते?
আচার্য বামনের মতে কবি কত প্রকার ও কী কী?

(c) वामनमते प्रतिभा का?
আচার্য বামনের মতে প্রতিভা কাকে বলে?

(d) "न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्" इत्यस्य अर्थः कः?
"न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्"— সূত্রটির অর্থ কী?

(e) काव्यालंकारसूत्रवृत्तिग्रन्थे गद्यकाव्यस्य विभागः कीदृशः प्रदर्शितः?
কাব্যালংকারসূত্রবৃত্তি গ্রন্থে গদ্যকাব্যের বিভাগ কীভাবে প্রদর্শিত হয়েছে?

'ख'-विभागः

বিভাগ-'খ'

(f) यतिः का?
যতি কাকে বলে?

(g) संस्कृत छन्दसि गुरुस्वराः के?
সংস্কৃত ছন্দে গুরুস্বর কী কী?

(h) समवृत्तं छन्दः किम्?
সমবৃত্ত ছন্দ বলতে কী বোঝো?

(i) मन्दाक्रान्तायाः लक्षणं किम्?
মন্দাক্রান্তা ছন্দের লক্ষণ কী?

'ग'-विभागः

বিভাগ-'গ'

(j) ''ननमययुतेयं मालिनी भोगिलोकैः'' अत्र ''भोगिलोकैः'' इति पदस्य अर्थः कः?
''ननमययुतेयं মালিনী ভোগিলোকৈঃ''- এখানে ''ভোগিলোকৈঃ'' পদের অর্থ কী?

(k) श्लेषालंकारस्य लक्षणं किम्?
শ্লেষ অলংকারের লক্ষণ কী?

(l) ''भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना''- इत्यत्र सम्भावनाशब्दस्यार्थः कः?
''ভবেৎসম্ভাবনোৎপ্রেক্ষা প্রকৃতস্য পরাত্মনা''- এখানে ''সম্ভাবনা'' শব্দের অর্থ কী?

(m) अलंकारशब्दस्यार्थः कः?
অলংকার শব্দের অর্থ কী?

(n) अर्थान्तारन्यासालंकारः कतिविधः? कयोश्चित् द्वयोः नाम लिख्यताम्।
অর্থান্তরন্যাস অলংকার কয় প্রকার? যে কোনো দুটির নাম লেখো।

(o) अतिशयोक्तेः लक्षणं किम्?
অতিশয়োক্তি অলংকারের লক্ষণ কী?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चिद् *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु *प्रश्नद्वयस्योत्तरं सरलसंस्कृतभाषया* करणीयम्। 5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো চারটি* প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে *যে কোনো দুটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) व्याख्यायताम् - ''न कतकं पङ्कप्रसादनाय''।
ব্যাখ্যা করো - ''ন কতকং পঙ্কপ্রসাদনায়''।

(b) व्याख्यायताम् - ''समस्तगुणोपेता वैदर्भी''।
ব্যাখ্যা করো - ''সমস্তগুণোপেতা বৈদর্ভী''।

(c) यथेच्छमेकस्य लक्षणनिर्देशपूर्वकं सोदाहरणं संज्ञा प्रदेया
লক্ষণ নির্দেশ করে উদাহরণসহ সংজ্ঞা লেখো (যে কোনো একটি)
मन्दाक्रान्ता, उपजाति
মন্দাক্রান্তা, উপজাতি

(d) गणविभागपुरस्सरं छन्दोनिर्णयं कुरु

গণবিভাগ করে ছন্দ নির্ণয় করো

न खलु न खलु बाण: सन्निपात्योऽयमस्मिन्
मृदुनि मृगशरीरे तूलराशाविवाग्नि:।
क्व वत हरिणकानां जीवितञ्चातिलोलं
क्व च निशितनिपाताः वज्रसाराः शरास्ते।।

(e) उपमोत्प्रेक्षयो: भेदाभेदौ निरूपय।

উপমা ও উৎপ্রেক্ষা অলংকারের ভেদ ও অভেদ নিরূপণ করো।

(f) अलंकारो निर्णीयताम्

অলংকার নির্ণয় করো।

इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपक्षमं साधायितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेत्तुमृषिर्व्यवस्यति।।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयो: प्रश्नयोरुत्तरं प्रदेयम्। 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যে কোনো দুটি প্রশ্নের* উত্তর দিতে হবে।

(a) ''काव्यं ग्राह्यमलंकारात्''- इत्यस्य तात्पर्य्यं निरुप्यताम्।

''काव्यं ग्राह्यमलंकारात्''- সূত্রটির তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।

(b) वामनमतानुसारं काव्याङ्गानि कानि? तेषां स्वरूपमालोच्यताम्।

আচার্য বামনের মতে কাব্যাঙ্গ কী কী? কাব্যাঙ্গগুলির স্বরূপ আলোচনা করো।

(c) वंशस्थविलवसन्ततिलकयो: लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

বংশস্থবিল ও বসন্ততিলক ছন্দের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা করো।

(d) रूपकदृष्टान्तयो: अलंकारयो: लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।

রূপক ও দৃষ্টান্ত অলংকারের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা করো।

———